

अतिरिक्त-अभ्यासः

| (1) एक प | ।वेन उत्तरत–(| एक पद में उत्तर र्द | ोजिए—) | |
|--------------------|--------------------------|---|----------------------------------|----------------------------|
| 1. 🕏 | ानरपुङ्गवः कः | अस्ति? | | |
| | | साद्म् अपश्यत? — | | |
| | ान्दनवनम् के षा ग | | | |
| | | किम् उच्यते? | | |
| | - | ां वृक्षाणां प्रभया सुर | गोभित: आसीत? —— | |
| उत्तरम्- | | | | |
| | नमान | 2. अशोकनिकाया | म/अशोकवने | 3. देवतानाम् |
| | | उसामग्रामाना कुसुमितानाम्/स् | | 3. 44mm1 |
| | | -(पूर्णवाक्य में उत्तर | | |
| | | =(पूर्णवाक्य म उत्तर प्रानं रम्यम् आसीत्? | , ५ –) | |
| | | , , | <u></u> 2 | |
| | | पुष्पवृक्षाणां नामानि | | |
| | वानरः कदिश | चैत्यप्रासादम् अपश्यत | 1? | |
| उत्तरम्- | | ~ | | · · |
| 1. मृग | गणाद्वजानाम्/पशु ~—— | पाक्षणाम्/पशूनाम् पाक्ष | णाम् च निनादैः उद्यानं | रम्यम् आसात्। प्रावधाः। |
| | | | वम्पकः च इति पञ्च पु | |
| | | | ाम् चैत्यप्रासादम् अपश्यः —): | Ti |
| | | -(श्लोकांशों का मेल | | |
| | विबुधोद्यानं | | सूर्योदयप्रभाम्। | |
| | ाः प्रभा तेषाम् | | यं गन्धमादनम्। | |
| शैलेन्द्र | मिव गन्धाढ्यं | | चैत्ररथं तथा। | |
| पुप्पित | ानामशोकानां | प्रदीप | त इव सर्वतः। | |
| उत्तरम् | | | | |
| | विबुधोद्यानं चित्र | | | |
| स देश | तः प्रभया तेषाम् | प्रदीप्त इव सर्वतः। | | |
| शैलेनि | द्रमिव गन्धाढ्यं | द्वितीयम् गन्धमादनम्। | 1. | |
| | | या सूर्योदयप्रभाम्। | | |
| (4) श्लोका | न्वयं प्रयत–(श् | नोक का अन्वय पूरा | कीजिए) | |
| (क) | ···· कुसुमितै: ···· | च किंशुकै: | सः तेषां | प्रभया प्रदीप्तः |
| . इव (3 | | | | |
| | Γ | देश:, सर्वत: सुपुष्पितै | : कर्णिकारै: | |
| (ख) | ्र मधुगन्धिमि: | पादपै: (र | तत्) उद्यानम् | मृगगणद्विजै: |
| (3 | गसीत्) | * | | |
| | नि | चितम्, रम्यम्, सर्वर्तुपुष | पै:, नानानिनादै: | |
| उत्तरम्- | L | | | |
| | रै:, सुपुष्पितै:, दे | शः, सर्वतः। | 1 | |
| (ख) सर्वर्तपृष | मै:. निचितम्, ना | नानिनादै:, रम्यम्। | | |
| <i>(5)</i> अधोदः | तपदानां लिङ्गम | विभक्तिं वचनं च | लखत –(निम्नलिखित पदो | के लिंग विभक्ति व |
| वचन 1 | लिखए-) | | | |
| | | लिंगम् | विभक्तिः | वचनम् |
| | गोकवनिकायाम् | | 1 | |
| 2. पाद | | | | |
| 3. चैत | यप्रासादम् | | | |
| 4. उद्य | गनम् . | : | | |

5. प्रभया

| उत्तरम्– | | | | | | | |
|---|---|---|---------------------------|--|--|--|--|
| 1. स्त्रीलिंग | सप्तमी | एकवचनम् | | | | | |
| 2. पुंल्लिंगम् | तृतीया | बहुवचनम् | • . | | | | |
| 3. पुंल्लिंगम् | द्वितीया | एकवचनम् | | | | | |
| 4. नपुंसकलिंगम् | प्रथमा | एकवचनम् | | | | | |
| 5. स्त्रीलिंगम् | तृतीया | एकवचनम् | | | | | |
| (6) वाक्यानि रचयत -(वाक्य | | | | | | | |
| 1. बहव: | ••••• | ••••• | •••••• | | | | |
| 2. रम्यम्: | | ••••• | ••••• | | | | |
| 3. अशोकवनिकायाम्: | | | ••••• | | | | |
| 4. सर्वर्तुपुष्पाणि: [—] | | | •••••• | | | | |
| 5. श्रिया | | •••••• | ••••• | | | | |
| उत्तरम्– | | | | | | | |
| ो. <u>बहव:</u> जना: पुस्तकमेल | कंद्रष्टं गच्छन्ति। | | | | | | |
| 2. तत् वनं विविधवर्णै: पु | ष्पपादपै: रम्यम। | | | | | | |
| | 3. सः वानरः <u>अशोकविनकायाम्</u> सीताम् अपश्यत्। | | | | | | |
| | 4. अस्मिन् उद्याने <u>सर्वर्तुपुष्पाणि</u> शोभन्ते। | | | | | | |
| | 5. वाटिका अशोकवृक्षाणां <u>श्रिया</u> रमणीया आसीत्। | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | बहुविकल्पीयप्रश्नाः | | | | | | |
| (1) अधोदत्तेम्यः विकल्पेभ्यः, उ | उचितम् विकल्पं चि | त्वा रिक्स्थानपूर्तिः क्रिय | ।ताम् –(निम्नलिखित | | | | |
| विकल्पों में से उचित विकर | | | | | | | |
| | (क) 1. बालका: सानन्दं खेलन्ति। (एता:,एते, एतानि। | | | | | | |
| 2. फलम् अपक्वम्। (सः, तत्, तम्) | | | | | | | |
| वने पशव: स्वच्छन्दं विचरित्त। (ते, तस्य, तिस्मिन्) अहं बालकाय पुस्तकम् अयच्छम्। (तं, तेन, तस्मै) | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| 5. वाटिकायां पुष्पित | | | | | | | |
| उत्तरम् 1. एते 2. (ख) 1. तत्र पुष्पवृक्षाः श | | | 5. तस्याम् | | | | |
| | | | | | | | |
| ३ एतस्थाः प्रधाणि | स: अतीव उद्यानम् अपश्यत्। (मनोहर, मनोहरः, मनोहरम्) एतस्थाः पुष्पाणि श्वेतानि। (लतायाम्, लतया, लतायाः) | | | | | | |
| 4. अशोकवनं कुसुमित-वृक्षा | | | ш) | | | | |
| 5. तत् स्थानं सर्वतः | ं आसीत्। (स्रशोभितः | रतात्। (त्रना, त्रनना, त्रन स्रोधितम् स्राचीधित) | 17.) | | | | |
| उत्तरम् – 1. बहव: 2. | मनोहरम् 3. ल | ताया: 4. प्रभया | 5. सुशोभितम् | | | | |
| (2) कोष्ठकात् शुद्धम् उत्तरं चित | त्रा रिक्तस्थाने लिखत | 🛮 (कोष्ठक से शुद्ध उत्तर | चुनकर रिक्तस्थान | | | | |
| में लिखए-) | | | | | | | |
| | 1. शैलेन्द्रमिव =+ (शैलेन्द्र+मिव; शैलेन्द्रम्+एव; शैलेन्द्रम्+इव) | | | | | | |
| | 2. विबुधोद्यानम् = ——+ (विबुध्+उद्यानम्; विबुध+उद्यानम्; विबुधो+द्यानम्) | | | | | | |
| 3. रम्यश्रियावृतम् = + (रम्यश्रिया+वृतम्, रम्यश्रिया+आवृतम्; रम्य+श्रियावृतम्) | | | | | | | |
| गन्धाढ्यम् =+ | 4. गन्धाढ्यम् =+ (गम्+धाढ्यम्; गन्ध+अढ्यम्; गन्ध+आढ्यम्) 5. चैत्यप्रासादमूर्जितम् =+ (चैत्यप्रासाद+मूर्जितम्; चैत्यप्रासादम्+उर्जितम्; | | | | | | |
| | + (चैर | त्यप्रासाद+मूजितम्; चैत्य | प्रासादम्+उजितम्; | | | | |
| चैत्यप्रासादम्+ऊर्जितम्) | | | | | | | |
| उत्तरम्- | | | | | | | |
| 1. शैलेन्द्रम् + इव | | | | | | | |
| 2. विबुध + उद्यानम् | | | | | | | |
| 3. रम्यश्रिया + आवृतम् 4. गन्ध + आढ्यम् | | | | | | | |
| 4. गन्ध + आढ्यम् 5. चैत्यप्रासादम् + ऊर्जितम् | | | | | | | |
| » अत्यत्रातापम् ± आणाम् | | | | | | | |

****** END ******